वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष :3 अंक : 178 | बुधवार 25 अक्टूबर 2023 | दैनिक ई-पेपर

शाबाश इंडिया

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

दशहरा पर प्रदेशभर में रावण दहन

रिमोट का बटन दबाते ही एक मिनट में भस्म हुआ 75 फीट का दशानन

जयपुर. कासं

बुराई पर अच्छाई की जीत का प्रतीक विजयादशमी (दशहरा) पर्व आज प्रदेशभर में मनाया गया। कोटा के दशहरा मैदान में रिमोट का बटन दबाते ही 75 फीट का रावण का पुतला एक मिनट में जलकर भस्म हो गया। इसके साथ ही कुंभकर्ण और मेघनाद के पुतलों का भी दहन किया गया। जयपुर के विद्याधर नगर स्टेडियम में प्रदेश का सबसे ऊंचा 121 फीट का रावण का पुतला जलाया गया। वहीं, आदर्श नगर में 105 फीट के रावण के पुतले का दहन किया गया। जोधपुर में 62 फीट का रावण का पुतला जलाया गया। अग्नि बाण लगते ही दशानन की आंखों से अंगारे बरसने लगे। दूसरी ओर, कोटा के नांता स्थित जेठी समाज के बड़े अखाड़े में मिट्टी के रावण को पैरों से कुचल कर विजयादशमी पर्व मनाया गया।

जयपुर : विद्याधर नगर में 121 फीट के रावण का दहन

जयपुर के विद्याधर नगर में प्रदेश का सबसे ऊंचा 121 फीट का रावण का पुतला रात 8 बजे जलाया गया। यहां कुंभकर्ण का पुतला 111 फीट और मेघनाद का पुतला 105 फीट का था। विद्याधर नगर स्टेडियम में रावण दहन देखने बड़ी संख्या में लोग जुटे थे। कार्यक्रम में कलाकारों ने सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दीं। पुतलों का बैंड की धुनों के साथ दहन किया गया। वहीं, आदर्श नगर में रात 7:45 बजे 105 फीट के रावण और 90 फीट के कुंभकर्ण के पुतले का दहन किया गया। रावण और कुंभकर्ण के पुतलों की आंखों से शोले और मुंह से आग के गोले निकलते दिखे। बीच-बीच में धूमकेतु जैसा नजारा भी दिखा। पुतलों को आकर्षक एलईडी लाइट से सजाया गया था। यहां इलेक्ट्रॉनिक कंट्रोल सिस्टम से दहन किया गया।

कोटा : 75 फीट ऊंचे 3डी रावण का दहन

कोटा के दशहरा मेला में रावण का 3डी पुतला जलाया गया। दशहरा मैदान में रावण का 75 फीट, कुंभकर्ण और मेघनाद के 50-50 फीट के पुतले जलाए गए। कोटा का मशहूर दशहरा मेला देखने के लिए बड़ी तादाद में लोग जुटे। रावण के पुतले को रंग-बिरंगी लाइट से सजाया गया था। रिमोट से अग्नि बाण चलाकर दहन किया गया। इस बार रावण का पुतला रथ में सवार होकर युद्ध के लिए ललकारता दिखा। अलग से बनाए गए रथ को पुतले के साथ जोड़ा गया था। रावण की छाती पर कवच और भाला लगाया गया था। पुतले के 16 फीट के हिस्से में 3डी इफेक्ट डाला गया था। रावण ने गर्दन घुमाई, तलवार चलाई और पलकें-होंठ हिलाए तो लोगों का हुजूम जय श्री राम के नारे लगाने लगा। आतिशबाजी के लिए पुतलों में ग्रीन पटाखे इस्तेमाल किए गए थे। आतिशबाजी को इलेक्ट्रॉनिक सिस्टम से जोड़ा गया था। रिमोट का बटन दबाते ही भव्य आतिशबाजी हुई। रावण के मुंह से चिंगारी और नाक-कान से धुआं निकलता दिखा। सिर पर लगाया गया ताज चकरी की तरह घूमा। आतिशबाजी के लिए रावण के पुतले के कान की बालियों, कमर पेटी और पेट में अलग से बारूद भरा गया था।

विशेषज्ञों के अनुभव और युवाओं के जोश से सजा कन्वेंशन

ग्रीन आर्किटेक्चर, सस्टेनेबल डिजाइन, डिजाइन प्रेक्टिसेज की एक्सपर्ट्स ने दी जानकारी

जयपुर. शाबाश इंडिया

नेशनल एसोसिएशन ऑफ स्टूडेंट्स ऑफ आर्किटेक्चर (नासा), जोन वन और पूर्णिमा यूनिवर्सिटी की मेजबानी में हुए 66 वें जोनल नासा कन्वेंशन में कई एक्टिविटीज का संयोजन देखने को मिला। पूर्णिमा यूनिवर्सिटी कैंपस में आयोजित आर्किटेक्चर फील्ड के इस मेगा कन्वेंशन में देशभर के करीब 1500 आर्किटेक्चर स्टूडेंट्स शामिल हुए हैं, जिनके लिए कई नामी आर्किटेक्ट्स के कीनोट सैशन, सेमीनार व वर्कशॉप आयोजित किए गए। इनके अंतर्गत आर्किटेक्ट गुरजीत सिंह मथारू, अनु मृदुल और दीक्षु कुकरेजा ने अपने-अपने कीनोट स्पीच में स्टूडेंट्स को बेहतर आर्किटेक्ट बनने के टिप्स दिए और आर्किटेक्चर फील्ड के विविध पहलुओं से अवगत कराया। इसके तहत ग्रीन आर्किटेक्चर, सस्टेनेबल डिजाइन, डिजाइन प्रेक्टिसेज जैसे विषय कवर किए गए। गुरजीत सिंह ने मथारू ने अपने कंक्रीट प्रोजेक्ट्स के बारे में बताया। इनके अलावा आर्किटेक्ट यशप्रताप सिंह ने कंजर्वेशन आर्किटेक्चर पर सेमीनार लिया, वहीं विभा विस्पुते ने वर्कशॉप में फ्लुइड आर्ट की बारीकियों से अवगत कराया। बिल्डिंग इंटीरियर विषय पर एक अन्य वर्कशॉप में शिखा सिंह ने इंटीरियर डिजाइन की खूबसूरती का अहसास कराया। डी-15 ट्रॉफी में प्रतिभागी स्टूडेंट्स ने 15 घंटे के निर्धारित समय में अर्बन डिजाइन पर आधारित मॉडल तैयार किए। साथ ही काइट फाइट, आर्किटेक्चर बिंगो, हॉन्टेड हाउस डिजाइन, फायर टेल्स, स्केचिंग रिले और स्टिक ब्रिज चैलेंज जैसी गतिविधियों में स्टूडेंट्स ने अपनी आर्किटेक्चरल स्किल का परिचय दिया। कल्चरल एक्टिविटीज में देशभर के आर्किटेक्चर स्टूडेंट्स ने डांडिया व गरबा पर हाथ आजमाए। इसी प्रकार फैशन शो भी आकर्षण का केंद्र रहा। डांस ट्रॉफी एक्टिविटी में प्रतिभागियों ने अलग-अलग थीम पर ग्रुप-सोलो डांस प्रस्तुत किए, वहीं म्यूजिक ट्रॉफी में भावी आर्किटेक्ट्स ने संगीत के विविध रूपों पर प्रयोग किए। स्पोर्ट्स कैटेगरी में बॉक्स क्रिकेट, बास्केटबॉल, टग ऑफ वॉर, बैडमिंटन, टेबल टेनिस, कबड्डी, खो-खो जैसी एक्टिविटीज में स्टूडेंट्स की खेल भावना देखने को मिली।

श्री अग्रसेन जी महाराज एवं महालक्ष्मी गायत्री माता का 11 कुंडीय संगीतमय महायज्ञ का आयोजन

जयपुर. शाबाश इंडिया। श्री अग्रसेन शिक्षण समिति (रजिस्टर्ड) जयपुर के द्वारा विजयादशमी के पावन पर्व पर श्री अग्रसेन जी महाराज एवं महालक्ष्मी गायत्री माता का 11 कुंडीय संगीतमय महायज्ञ एवं महाआरती का मंगल आयोजन किया गया। महायज्ञ के पश्चात 301 देवी स्वरूप छोटी कन्याओं का पूजन, उपहार एवं प्रसादी वितरण का भी कार्यक्रम रखा गया। इस पुनीत यज्ञ में अग्र परिजनों ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया एवं अपनी ओर से महायज्ञ में आहुति प्रदान की। साथ ही विजयदशमी के महापर्व पर कन्या पूजन कर देवी का आशीर्वाद प्राप्त किया। महाराजा अग्रसेन के उद्घोष एवं गायत्री मां के जयकारे से कार्यक्रम का आगाज किया गया। समिति के अध्यक्ष ओ पी गुप्ता एडवोकेट, महामंत्री स्वतंत्र मित्तल, यज्ञ आचार्य विष्णु भगवान अग्रवाल ,मुख्य संरक्षक मुरारी लाल अग्रवाल ने अग्रसेन महाराज एवं गायत्री माता के दीप प्रज्वलन कर कार्यक्रम का श्री गणेश किया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि उमेश गुप्ता थे जिनका समिति की ओर से स्वागत किया गया।

विनयवान बने बिना नहीं हो सकती धर्म की सच्ची आराधना-समीक्षाप्रभाजी म.सा.

नवपद की आराधना करने से प्रबल होता है हमारा पुण्य- चेतनाश्रीजी म.सा., रूप रजत विहार में उत्तराध्ययन सूत्र का वाचन शुरू, मनाई गई आचार्य श्री भूधरजी म.सा. की जयंति

सुनील पाटनी. शाबाश इंडिया

भीलवाड़ा। सनातन धर्म में जिस तरह श्रीमद् गीता का महत्व है उसी तरह जैन धर्म में भगवान महावीर स्वामी की अंतिम देशना उत्तराध्ययन आगम का महत्व है। इसके प्रथम अध्याय में ही बताया गया है कि धर्म का मूल ही विनय है। विनय के बिना धर्म नहीं हो सकता। विनय बाहर से नहीं अंदर से होना चाहिए। अहंकार होने पर जीवन की गति नहीं सुधर सकती। जो बाहर से विनयवान ओर अंदर से खराब हो उसकी दुर्गति तय है। अंदर एवं बाहर दोनों तरफ से जो विनयवान है उसका कल्याण अवश्य होगा। ये विचार भीलवाड़ा के चन्द्रशेखर आजादनगर स्थित रूप रजत विहार में मंगलवार को मरूधरा मणि महासाध्वी श्रीजैनमतिजी म.सा. की सुशिष्या वात्सल्यमूर्ति महासाध्वी इन्दुप्रभाजी म.सा. के सानिध्य में तत्वचिंतिका डॉ. समीक्षाप्रभाजी म.सा. ने भगवान महावीर स्वामी की अंतिम देशना श्रीमद् भागवत उत्तराध्ययन आगम सूत्र की 21 दिवसीय आराधना शुरू करते हुए व्यक्त किए। पहले दिन प्रथम अध्याय विनय श्रुत एवं द्वितीय अध्याय परिषह की चर्चा की गई। इसके माध्यम से 13 नवम्बर तक उत्तराध्ययन सूत्र के 36 अध्यायों का वाचन पूर्ण किया जाएगा। मूल गाथा का उच्चारण करने के साथ उनका अर्थ भी समझाया जा रहा है।

256 मंडलीय सिद्धचक्र मंडल विधान पूजन

1008 श्रद्धालुओं ने विश्वशांति महायज्ञ में आहुति दे और श्रीजी की शोभायात्रा निकाल कर किया संपन्न

जयपुर. शाबाश इंडिया

शहर के नारायण सिंह सर्किल स्थित भट्टारक जी की नसियां में पिछले 10 दिनों से चल रहे 256 मंडलीय श्री सिद्धचक्र महामंडल विधान पूजन और विश्वशांति महायज्ञ आचार्य सौरभ सागर महाराज के सानिध्य एवं पंडित संदीप जैन सजल के निर्देशन में मंगलवार को जयकारों की दिव्यघोष के साथ मंगलवार को संपन्न हो गया। इससे पूर्व 10 वें दिन की शुरूवात प्रातः 6.15 बजे से श्रीजी के स्वर्ण एवं रजत कलशों के साथ प्रारंभ हुई इसके बाद विश्व में शांति की कामना के साथ शांतिधारा की गई जिसका पुण्यार्जन शांति कुमार ममता सोगानी, कमलेश, प्रमोद, उत्तम जैन बावड़ी वाले एवं राजेंद्र कुमार जितेंद्र, अमित, दिव्यांश जैन कड़िला वाले परिवार द्वारा को प्राप्त हुआ। इसके पश्चात नित्य नियम पूजन कर सरस्वती पूजन और गुरुपूजन कर अष्ट द्रव्य अर्घ चढ़ाए गए। गौरवाध्यक्ष राजीव जैन गाजियाबाद वालों ने बताया की मंगलवार को पूजन अर्घ चढ़ा आचार्य श्री के सानिध्य एवं पं संदीप जैन के निर्देशन में विश्व में शांति स्थापित हो, दुनिया के अमनचैन की भावना भाकर हवन किया और 1008 श्रद्धालुओं द्वारा हवन ने आहुति दी गई और इंद्र - इंद्राणियो द्वारा स्थापित मंगल कलशों एवं यंत्रों का वितरण किया गया। इस दौरान राजस्थान जैन सभा अध्यक्ष सुभाष जैन, महामंत्री मनीष वैद, मंत्री विनोद जैन कोटखावदा, संरक्षक अशोक जैन नेता समाजसेवी विनय सोगानी, मनोज सोगानी, देवेंद्र बाकलीवाल, मनोज झांझरी, कार्याध्यक्ष कमलेश जैन, अभिषेक जैन बिट्टू, सर्वेश जैन, अशोक जैन खेड़ली वाले, गजेंद्र बड़जात्या, दुगार्लाल जैन, महेंद्र जैन, सौम्या राहुल पाटनी, श्रीमती सीमा जैन सहित लगभग 2 हजार से अधिक श्रद्धालुगण उपस्थित रहे। अध्यक्ष आलोक जैन तिजारिया ने बताया की महोत्सव का समापन से पूर्व 10 दिवसीय आयोजन के सभी दानदाताओं, सहयोगियों, कार्यकताओं

सहित सभी श्रेष्ठियों का प्रतीक चिन्ह भेंट कर समिति द्वारा सम्मान किया गया। इसके उपरांत दोपहर 12.15 बजे इंद्रो द्वारा श्रीजी को मस्तक पर विराजमान कर श्रद्धालुओं के जयकारों, बैंड-बाजों के साथ शोभायात्रा निकालकर श्रीजी को मंदिर जी की मूल वेदी पर मंत्रोच्चार के साथ विराजमान किया गया। इससे पूर्व आचार्य सौरभ सागर महाराज ने प्रातः 9.30 बजे विश्व शांति यज्ञ के महत्व, विजय दशमी पर्व सहित इंसानियत और मानवता का उल्लेख करते हुए अपने आशीर्वचन दिए।

रावण ने अहंकार को धारण कर एक गलती की जिसकी सजा वह आज तक भुगत रहा है: आचार्य सौरभ सागर

आचार्य सौरभ सागर महाराज ने बुधवार को धर्मसभा को संबोधित करते हुए कहा कि ''इस सृष्टि में मानव को देवदर्शन अवश्य करने चाहिए, हमेशा प्रभु की भक्ति में तललीन रहना चाहिए क्योंकि न्यायालय में गुनाह करने के बाद माफी नहीं मिलती लेकिन जिनालय में गुनाह करने के बाद भी माफी मिल जाती है जिससे मानव प्रायश्चित कर अपना जीवन बिता सकता है।'' पूज्य गुरुदेव विजय दशमी के अवसर कहा कि आज असत्य पर सत्य की जीत का दिन है, आज बुराई पर जीतने का दिन है। इंसान आज तक एक गलती के लिए इतने वर्षों से रावण को जलाते आ रहे है, किंतु रावण वह व्यक्ति था जिसने अहंकार में आकर सीता का अपहरण तो कर लिया किंतु उनके साथ कभी उनकी मर्जी जाने गलत आचरण नही किया क्योंकि एक जैन मुनि से उन्होंने संकल्प लिया था की वह किसी भी स्त्री को बिना उनकी मर्जी जाने कुछ भी नहीं करेगा। सीता के अपहरण के बाद रावण के भाव में आया तो था की उसने बहुत बड़ी गलती कर दी, किंतु अहंकार के भाव के कारण उसने दुनिया के सामने झुकना मंजूर ना कर लड़ना मंजूर किया।

वेद ज्ञान

ईश्वर को देखा नहीं जा सकता

भौतिक विज्ञानवादी जिस शक्ति को प्रकृति मानते हैं, उसे अध्यात्मवादी ईश्वर कहते हैं। मतभेद ईश्वर के गुण, कर्म और स्वभाव के संबंध में है। ऐसे मतभेद तो प्रायः सभी समूहों में मिल जाते हैं, परंतु उन्हें अनीश्वरवादी नहीं कहा जाता। फिर भौतिक विज्ञानवादियों को नास्तिक कहना उचित न होगा। ईश्वर को हम इंद्रियों से अनुभव नहीं कर सकते तो भी यह कहना अनुचित होगा कि ईश्वर नहीं है। बहुत सी वस्तुओं को हम प्रत्यक्ष अनुभव नहीं करते तो भी अनुमान के आधार पर उनका अस्तित्व स्वीकार करना पड़ता है। यह बात हम इंद्रियों की सहायता से नहीं जान सकते, आंखों से भी नहीं देख सकते तो भी अनुमान यह कहता है कि उसको बनाने वाला अवश्य रहा होगा। ईश्वर को छुआ या देखा नहीं जाता तो भी उसकी कृतियां पुकार-पुकार कर साक्ष्य दे रही हैं कि हमारा रचयिता कोई न कोई अवश्य है। अपने स्वल्प ज्ञान के द्वारा बुद्धि और इंद्रियों की सहायता से हमें विश्व ब्रह्मांड का थोड़ा-बहुत परिचय प्राप्त होता है। समस्त सृष्टि इतनी विस्तीर्ण है कि बुद्धि की वहां तक पहुंच नहीं हो पाती। यह महान रचना किसी न किसी निर्माता की कृति है। बिना व्यवस्था के तो हमारे छोटे-छोटे काम भी नहीं चलते, फिर इतनी बड़ी सृष्टि का काम बिना किसी संचालन के किस प्रकार चल सकता है। सूर्य, चंद्र, पृथ्वी, ग्रह, नक्षत्र, इतने नियमबद्ध हैं कि कभी एक सेकेंड का भी फर्क नहीं पड़ता। दिन के बाद रात होने की श्रृंखला कभी टूट नहीं पाती। बचपन के बाद जवानी, फिर वृद्धावस्था आती है। उन मूल नियमों के समझने वाले तत्वज्ञानी विवेकवानों को समस्त सृष्टि में एक रंचमात्र भी अव्यवस्था दृष्टिगोचर नहीं होती। स्पष्ट है कि इस सुव्यवस्थापूर्वक संचालित सृष्टि को चलाने वाला कोई अवश्य होना चाहिए। मोटर, जहाज या रेल को बनाने वाला और चलाने वाला कोई विवेकवान मनुष्य होता है। उसी प्रकार इस सृष्टि को बनाने और चलाने वाली शक्ति भी ईश्वर है। आज विज्ञानवादियों को यह मानना पड़ रहा है कि जड़ तत्व ही सृष्टिकर्ता नहीं है वरन यह पंचभूत भी एक आद्यशक्ति की धाराएं हैं। वह आद्यशक्ति अंधी, जड़ नहीं, बल्कि विवेकवान, फलवान, व्यवस्था रखने वाली, संशोधन करने वाली और संतुलन को ठीक बनाए रखने वाली भी है।

संपादकीय

भारत का मानवयुक्त अंतरिक्ष मिशन के क्षेत्र में कदम

चंद्रमा और सूर्य के अध्ययन के लिए अंतरिक्ष यान भेजने के बाद अब भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन यानी इसरो ने एक और कामयाबी हासिल कर ली है। गगनयान टीवी-डी1 का सफलतापूर्वक प्रक्षेपण कर भारत ने मानवयुक्त अंतरिक्ष मिशन के क्षेत्र में कदम रख दिया है। गगनयान का मकसद पृथ्वी से चार सौ किलोमीटर की कक्षा में मनुष्य को भेजना और फिर उन्हें सुरक्षित वापस लाना है। हालांकि अभी इस योजना का प्रायोगिक चरण पूरा हुआ है। अगले साल इस यान में एक रोबोट को भेजा जाएगा। फिर 2025 में तीन लोगों को बिठा कर तीन दिन के लिए भेजा जाएगा। अगर यह मिशन कामयाब होता है, तो भारत मानवयुक्त अंतरिक्ष यान भेजने वाला दुनिया का चौथा देश बन जाएगा। इसके पहले अमेरिका, रूस और चीन अंतरिक्ष में मनुष्य को सैर के लिए भेजने का परीक्षण कर चुके हैं। दरअसल, अंतरिक्ष में यान भेजना और उसे फिर से धरती पर सकुशल उतार पाना एक कठिन चुनौती है, इसलिए ऐसे

अभियानों को लेकर वैज्ञानिक प्रायः सशंकित रहते हैं। गगनयान को भी इसीलिए पूरी तरह सुरक्षित बनाने का प्रयास किया जा रहा है। यान के जिस हिस्से में लोगों को बिठा कर भेजा जाएगा, उसे इस तरह बनाया गया है कि उसमें पृथ्वी जैसा वातावरण रहे और समुचित भोजन आदि की व्यवस्था मिले, मगर सबसे बड़ी चुनौती किन्हीं विषम परिस्थितियों में अंतरिक्ष यात्रियों को सुरक्षित वापस लाने की है। अंतरिक्ष सदा से मनुष्य के लिए रहस्य रहा है। अंतरिक्ष में जाना और उसे देखना, अनुभव कर पाना बहुत सारे लोगों के लिए एक रोमांचक सपने की तरह है। ऐसे में तकनीकी रूप से सक्षम हर देश सुगम अंतरिक्ष यात्रा को न सिर्फ एक वैज्ञानिक उपलब्धि के रूप में हासिल करना चाहता है, बल्कि इसे एक नए कारोबारी क्षेत्र के रूप में भी देख रहा है। कुछ निजी उद्यमी भी इस क्षेत्र में उतरने को आतुर दिखते हैं। एलन मस्क भी घोषणा कर चुके हैं कि 2025 में वे अंतरिक्ष की सैर कराने का अपना कारोबार शुरू कर देंगे। इस दृष्टि से भारत का गगनयान भी अंतरिक्ष की सैर पर जाने को तैयार हो रहा है। सबसे उत्साहजनक बात यह है कि इस यान को पूरी तरह देशी तकनीक से तैयार किया गया है। पहले ही पीएसएलवी, चंद्रयान और आदित्य एल-1 जैसे यान पूरी तरह भारतीय तकनीक से विकसित होकर कामयाबी हासिल कर चुके हैं। गगनयान उसी कड़ी में अगली उपलब्धि है। अंतरिक्ष में पहुंच बनाना और निरंतर नई-नई संभावनाओं की तलाश करते रहना अब केवल जिज्ञासा शमन के लिए नहीं, बल्कि कारोबारी दृष्टि से भी जरूरी हो चुका है। भारत ने देशी तकनीक से प्रक्षेपण यान विकसित कर अब दुनिया के उपग्रह प्रक्षेपण कारोबार में अपनी एक मजबूत स्थिति बना ली है। यह दुनिया में सबसे सस्ती दरों पर उपग्रह प्रक्षेपण करता है, जिससे बहुत सारे देश इसकी मदद पर निर्भर हैं। इसी तरह चंद्रमा, मंगल, शुक्र आदि ग्रहों पर यान भेज कर न केवल उनकी वास्तविकता समझने की कोशिश की जा रही है, बल्कि वहां उपलब्ध खनिजों के उपभोग का भी अवसर जुटाने के प्रयास किए जा रहे हैं। **-राकेश जैन गोदिका**

परिदृश्य

विलंबित न्याय

देश भर की अदालतों में लंबित मुकदमों और उनके निपटारे की सुस्त रफ्तार को लेकर लंबे समय से चिंता जताई जाती रही है। मगर कैसे लंबित मुकदमों का समय पर निपटारा किया जाए, इसे लेकर कोई ठोस पहल नहीं दिखती। यह बेवजह नहीं है कि अदालतों तक पहुंचे मुकदमे कई बार दशकों तक लटके रहते हैं या उनके निपटारे की गति बेहद धीमी होती है। नतीजतन, उसमें शामिल वादी और प्रतिवादी न्याय की आस में वर्षों तक इंतजार करते रहते हैं। इससे न्याय की राह में आने वाली अड़चन को लेकर अदालतों और न्यायाधीशों की चिंता भी अक्सर सामने आती रही है। बीते शुक्रवार को सर्वोच्च न्यायालय ने एक बार फिर कहा कि अगर कानूनी प्रक्रिया ''कच्छप गति'' से आगे बढ़ती है, तो न्याय व्यवस्था से वादियों का मोहभंग हो सकता है। इसके साथ ही अदालत ने पुराने मामलों की तेजी से सुनवाई सुनिश्चित करने और उन्हें निपटाने के लिए कुछ दिशा-निर्देश जारी किए। इस क्रम में उच्च न्यायालयों को भी कई निर्देश दिए गए हैं। मुकदमों के बोझ और ऐसे मामलों में न्याय की रफ्तार का अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि राष्ट्रीय न्यायिक डेटा ग्रिड यानी एनजेडीजी के आंकड़ों के मुताबिक, कई मुकदमे अदालत में पचास वर्ष से ज्यादा समय से फैसले का इंतजार कर रहे हैं। जाहिर है, ऐसे भी मामले होते होंगे जिनमें शामिल पक्षकारों की इतने लंबे वक्त तक न्याय का इंतजार करते हुए मौत भी हो जाती होगी। सवाल है कि ऐसे में अगर कोई पक्ष अपने प्रति हुए अन्याय के खिलाफ गुहार लगाने अदालत तक पहुंचा हो, तो उसके भीतर कैसी भावनाएं पैदा होंगी? सुप्रीम कोर्ट की यह बात इसी संवेदना को ध्यान में रख कर कही गई लगती है कि कानूनी प्रक्रिया बेहद धीमी गति से चलने की वजह से वादी का न्यायिक प्रणाली से भरोसा उठ सकता है। जबकि किसी भी न्यायिक व्यवस्था में लोगों को उम्मीद होती है कि उनके साथ अन्याय होने की स्थिति में अदालतें इंसाफ करेंगी। खासकर समाज के कमजोर तबकों के बीच अगर कभी सत्ता तंत्र की ओर से निराशा मिलती है तब वे न्यायिक प्रणाली से ही उम्मीद लगाते हैं। अगर न्याय सुनिश्चित हो पाता है तब साधारण लोगों का अदालतों पर भरोसा मजबूत होता है, अन्यथा निराशा बढ़ती है। यों भी यह सिद्धांत है कि न्याय में देरी एक तरह से अन्याय है। अगर कोई पीड़ित पक्ष पचास या पैंसठ वर्ष पहले किसी मामले में इंसाफ की उम्मीद में अदालत की दहलीज पर पहुंचा होगा और उसके हिस्से इतने वर्षों तक सिर्फ इंतजार रहा, तो क्या यह समूची न्याय प्रणाली पर एक सवालिया निशान नहीं है? न्याय प्रक्रिया की जटिलता की राह को थोड़ा आसान बनाने के लिए अर्ध-न्यायिक संस्थाओं के रूप में न्यायाधिकरणों का ढांचा खड़ा किया गया था। लेकिन भारी पैमाने पर खाली पड़े पदों और अन्य कारणों से उसके अपेक्षित नतीजे नहीं आए। निश्चित रूप से सुप्रीम कोर्ट ने न्याय में देरी की समस्या को फिर से रेखांकित किया है, लेकिन लंबे समय से इस मसले पर चिंता जताने के बावजूद इसका समाधान खोजने को लेकर कोई ठोस पहल क्यों नहीं दिखती है? सरकारों को भी न्यायाधीशों की कमी से लेकर आधारभूत ढांचे की मुश्किलों का हल निकालना जरूरी नहीं लगता। न्याय दिलाने के प्रति इस स्तर की उदासीनता के रहते मुकदमों का बोझ कम करने, उन पर सुनवाई और इंसाफ सुनिश्चित करने की रफ्तार कैसे तेज की जा सकेगी?

29 अक्टूबर को करियर काउंसलिंग एवं 30 को आगरा में होगा जैन समाज की प्रतिभाओं का सम्मान

अजय जैन. शाबाश इंडिया

आगरा। संपूर्ण जैन समाज के प्रतिभाशाली छात्र-छात्राओं को एक मंच पर लाकर उनका सम्मान कार्यक्रम 30 अक्टूबर को ताज नगरी आगरा में समाधिस्थ संत ज्ञान सागर जी महाराज की प्रेरणा से जैन साध्वी आर्षमती माता जी के सानिध्य में सकल जैन समाज द्वारा आयोजित किया जाएगा। जिसकी तैयारियां इन दिनों भव्य स्तर पर जारी है इससे पहले 29 अक्टूबर को प्रतिभाओं के मार्गदर्शन हेतु करियर काउंसलिंग का कार्यक्रम दोपहर 2:00 बजे आयोजित किया जाएगा जिसमे विमल जैन सीए, रीतेश जैन गाजियाबाद,श्रीमती तनू जैन आइएएस प्रमुख रूप से उपस्थित रहेंगे इसी दिन प्रसिद्ध भजन गायक विक्की पारिख भजन संध्या में भक्ति संगीत की प्रस्तुति देंगे इस संबंध में जैन साध्वी आर्षमती माताजी ने संदेश देते हुए कहा है कि यह प्रतिभा सम्मान एक ऐसा मंच है जो देशभर की जैन समाज के छात्र-छात्राओं की प्रतिभा को पहचानता है इस आयोजन के माध्यम से हजारों छात्र छात्राओं एवं अन्य सफल प्रतिभागियों को सम्मानित किया जाना है यह कार्यक्रम युवा दिमागों को अपना जुनून विकसित करने और युवा नेतृत्व में एक इतिहास बनाने के लिए प्रोत्साहित करने के तरीके में से एक है, ज्ञानार्ष भक्त परिवार की कंचन दीदी द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार पिछले वर्षो की भांति इस वर्ष भी परम पूज्य गुरुदेव सराकोद्धारक षष्ट पट्टाचार्य श्री 108 ज्ञानसागर जी महाराज की प्रेरणा एवं सप्तम पट्टाचार्य श्री ज्ञेयसागर जी महाराज के आशीर्वाद से गुरु मां गणिनी आर्यिका 105 आर्षमति माताजी के निर्देशन में आचार्य ज्ञानसागर अखिल भारतीय प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन रविवार 29 एवं सोमवार 30 अक्टूबर 2023 को उत्तर प्रदेश की प्रसिद्ध ताज नगरी आगरा शहर में होने जा रहा है-जिसमे देश भर जैन समाज की प्रतिभाओं को भी सम्मानित किया जायेगा। जानकारी के मुताबिक प्रतिभा सम्मान समारोह में सम्पूर्ण भारतवर्ष के सम्रग जैन सम्प्रदायों के प्रतिभाशाली जैन छात्र-छात्राओं को सम्मानित किया जाएगा जिसमे इस वर्ष जिन जैन छात्र-छात्राओं ने कक्षा 10 वी या कक्षा 12 वी में 90 % या इससे अधिक अंक प्राप्त किये है अथवा यूपीएससी, सीए, आईआईटी, क्लेट, नीट अथवा उनका किसी भी उच्च प्रसाशनिक सेवा में चयन हुआ है अथवा किसी विशेष क्षेत्र में पुरस्कार/सम्मान प्राप्त किया हो, वे सभी प्रतिभाशाली छात्र-छात्राएं निर्धारित समय में निर्धारित प्रारूप में अपना आवेदन प्रस्तुत कर सकते हैं। आयोजको में शामिल सोनू जैन वराहने वालो ने बताया कि समारोह में सम्मिलित होने वाले सभी चयनित छात्रों को एवं उनके साथ आने वाले एक अभिभावक को मार्गव्यय (ऐच्छिक) आवास एवं भोजन की सुविधा प्रदान की जाएगी। साथ ही प्रतिभाशाली बच्चों को स्मृति चिन्ह, प्रशस्ति पत्र, मैडल, बैग आदि देकर सम्मानित किया जाएगा। आयोजको के अनुसार उक्त समारोह में सम्पूर्ण भारतवर्ष से हजारों की संख्या में आवेदन प्राप्त हुये है। परम् पूज्य गुरुदेव सराकोद्धारक समाधिस्थ आचार्य श्री ज्ञानसागर जी महाराज के सान्निध्य में लगभग 23 वर्षो से यह प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन अनवरत होता आ रहा है पूज्य गुरुदेव की समाधि के पश्चात उनकी अंतिम दीक्षित शिष्या पूज्य गुरुमां गणिनी आर्यिका 105 आर्षमति माताजी ससंघ ने इस समारोह के आयोजन का बीड़ा उठाया है। माताजी के सान्निध्य में प्रथम आयोजन सिहोनियाँ जी में अपार सफलता के साथ सम्पन्न हुआ था व द्वितीय आयोजन 13 नबंवर 2022 को ग्वालियर में भी एक अमिट छाप छोड़ते हुए एक अनुपम ऊंचाइयों को प्राप्त हुआ था। अब पुनः उसी सकारात्मक सोच को लिए आगरा की धरती पर प्रतिभा सम्मान समारोह होने जा रहा है।

सहस्रकूट विज्ञातीर्थ पर रचाया गया दशहरा के पावन अवसर पर श्री जिनसहस्रनाम महार्चना

गुंसी, निवाई. शाबाश इंडिया। श्री दिगम्बर जैन सहस्रकूट विज्ञातीर्थ, गुन्सी (राज.) क्षेत्र पर गणिनी आर्यिका विज्ञाश्री माताजी के ससंघ सान्निध्य में चल रहे दस दिवसीय महार्चना एवं विश्वशांति महायज्ञ जाप्यानुष्ठान के अंतर्गत अन्तिम दिन की आराधना करने हेतु भक्तों का ताता लगा हुआ था। मनोवांछित तात्कालिक फल प्रदायक श्री श्री जिनसहस्रनाम महार्चना कराने का सौभाग्य कंवरपाल जयपुर, ताराचन्द निवाई , नरेश जयपुर , रमेश उनियारा वालों ने प्राप्त किया। इसी बीच गुरु मां मंगल आशीर्वाद प्राप्त करने हेतु सवाईमाधोपुर से महावीर बज , नरेश बज व सुरेन्द्र पांड्या का सहस्रकूट विज्ञातीर्थ पर पदार्पण हुआ। गुरु माँ के पाद - प्रक्षालन एवं शास्त्र भेंट कराने का सौभाग्य आज के चातुर्मास कर्ता परिवार ने प्राप्त किया। इसी के साथ संघस्थ आर्यिका 105 ज्ञेयकश्री माताजी का 3 रां गुरु उपकार दिवस बड़े उत्साह के साथ मनाया गया। पूज्य माताजी ने सभी को उद्बोधन देते हुए कहा कि - आज जमाना नहीं बदला अपितु हमारी सोच बदलती जा रही है। सोच के अनुसार हमें वस्तु उस रूप दिखाई देती है इसलिए कहा जाता है जैसी दृष्टि वैसी सृष्टि। दुख की मूल जड़ हमारी सोच और इच्छा है। अपनी इच्छाओं पर कंट्रोल करना सीखो, साधनों में नहीं साधना में रहना सीखो। लोगों में साधना नहीं होती योगों में साधना होती है। धर्म सुविधाओं में नहीं होता , कष्टों में होता है । अपनी सोच में स्वार्थपना नहीं होना चाहिए । स्वार्थ से किया गया धर्म हमें फल नहीं देगा। सृष्टि को बदलने का प्रयास मत करो अपनी दृष्टि को बदलने की कोशिश करो। अपने नजारे को बदलो किनारे बदल जायेंगे। मिथ्यादृष्टि की नहीं सम्यग्दृष्टि की सोच बनाओ क्योंकि 1 मिनट में जिंदगी नहीं बदलती लेकिन 1 मिनट की सोच से पूरी जिंदगी बदल जाती है।

सिद्धार्चना में भक्ति-श्रद्धा के साथ किए 512 अर्घ्य समर्पित

स्वयं से साक्षात्कार है सिद्धार्चना : ब्र. जय निशांत, नवागढ़ में सिद्धों की अर्चना में बह रही भक्ति की बयार

ललितपुर. शाबाश इंडिया। प्रागैतिहासिक अतिशय क्षेत्र नवागढ़ विकासखंड महरौनी में प्रतिष्ठा पितामह पंडित गुलाबचन्द पुष्प जन्म शताब्दी महोत्सव वर्ष के अन्तर्गत चल रही अष्ट दिवसीय सिद्धार्चना में मंगलवार को 512 अर्घ्य भक्ति- श्रद्धा के साथ विधान के पात्रों एवं श्रद्धालुओं ने समर्पित किए। कमेटी के प्रचारमंत्री डॉ. सुनील संचय ने बताया कि विधान में विश्व शांति के लिए मंत्रोच्चार के बीच शांति धारा की गई। शांतिधारा का सौभाग्य पुष्प परिवार को प्राप्त हुआ। इंद्र इंद्राणियों ने नृत्य कर प्रभु के सम्मुख अर्घ्य समर्पित किए। आयोजन में महायज्ञनायक शिखरचंद जैन-पुष्पा जैन टीकमगढ़, सौधर्मेन्द्र अविनाश जैन- अलका जैन बेंगलुरु, कुबेर इंद्र आलोक जैन-विधु जैन रांची, यज्ञनायक राजकुमार जैन- समता जैन इंदौर, संजय जैन-अनुपमा जैन भिलाई, ईशान इंद्र कमल जैन-चंदा जैन लार, सनतइंद्र राकेश जैन-रश्मि जैन घुवारा, महेन्द्रइन्द्र चक्रेश जैन-प्रीति जैन छतरपुर को बनने का सौभाग्य प्राप्त हुआ है। इस मौके पर ब्र. जय निशांत भैया ने कहा कि श्रावक पूजा एवं गुरु उपासना में स्वयं के कर्ममल का प्रक्षालन करके स्वयं से साक्षात्कार करने का उपक्रम करता है। पूजा के अष्ट द्रव्य का उद्देश्य भी सिद्धों की आराधना एवं सिद्धों जैसा होने की मांगलिक क्रिया है। हमें देवार्चना लौकिक कामनाओं से परे मात्र कर्म क्षय के निमित्त से ही करना चाहिए। यह विधान भक्ति के माध्यम से कर्म चक्र को तोड़कर मोक्ष प्राप्ति का मार्ग है। आभार महामंत्री वीरचन्द्र जैन नेकौरा ने व्यक्त किया। आयोजन में श्री प्रबंधकारिणी समिति प्रागैतिहासिक अतिशय क्षेत्र नवागढ़,श्री नवागढ़ गुरुकुलम्-कार्यकारिणी समिति ने समागत अतिथियों का स्वागत किया। संगीतकार पुष्पेन्द्र जैन एण्ड पार्टी ने विधान में मधुर संगीत दिया।

अरूण गोविल का जयपुर आगमन पर स्वागत किया

जयपुर. शाबाश इंडिया

बुराई पर अच्छाई की जीत के पावन पर्व दशहरा के अवसर पर आज प्रसिद्ध धारावाहिक रामायण के मुख्य पात्र भगवान श्री राम के चरित्र को निभाने वाले अरूण गोविल का जयपुर एयरपोर्ट पर गुलाबी नगरी जयपुर की और से विश्व व्यापी बर्ड फ्रीडम डे अभियान के संस्थापक विपिन कुमार जैन ने किया भव्य स्वागत। इस अवसर पर उन्हें पक्षियों की पिंजरों से आजादी के अभियान से अवगत कराया। गोविल ने दी अभियान के लिए शुभकामनाएं दी।

गुलाबीनगर ग्रुप का भव्य गेट टूगेदर कार्यक्रम संपन्न

जयपुर. शाबाश इंडिया। दिगंबर जैन सोशल ग्रुप गुलाबीनगर का गेट टूगेदर कार्यक्रम इंटरटेन पैराडाइज में मूवी मिशन रानीगंज का सवेरे का फर्स्ट शो से शुरू हुआ। कार्यक्रम में परम संरक्षक अनिल शशि जैन की गरिमामय उपस्थित रही। कार्यक्रम के संयोजक श्रीमती सुशीला बड़जात्या द्वारा अच्छी मूवी मिशन रानीगंज को दिखाने के लिये अनिल जैन व सुनील बज अध्यक्ष ने प्रशंसा की। मूवी के बाद सभी सदस्यों ने ब्लू प्लूटो में स्वादिष्ट भोजन का लुत्फ लिया। सुनील बज अध्यक्ष ने बताया कि ग्रुप के सदस्य दिनाँक 25 अक्टूबर की रात्रि को 9 दिवसीय बैंकॉक पटाया फुकेत के विदेश भ्रमण पर विनोद सुशीला बड़जात्या के नेतृत्व में जा रहा है। सभी सदस्यों का आज के कार्यक्रम में सम्मिलित होने पर आभार व्यक्त किया गया।

पूजा अर्चना के साथ भगवान पुष्पदन्त एवं शीतलनाथ के चढ़ाया निर्वाण लड्डू

विमल जोला. शाबाश इंडिया

निवाई। जैन मुनि शुद्ध सागर एवं क्षुल्लक अकम्प सागर महाराज के सानिध्य में बिचला जैन मंदिर पर जैन धर्म के तीर्थंकर भगवान पुष्पदन्त एवं भगवान शीतलनाथ के निर्वाण महोत्सव के उपलक्ष्य मे गाजेबाजे के साथ निर्वाण काण्ड बोलकर मोक्ष लड्डू चढ़ाया। मनन दत्तवास ने बताया कि निर्वाण महोत्सव के चलते बिचला जैन मंदिर में श्रद्धालुओं ने मूलनायक भगवान सुपार्श्वनाथ भगवान पुष्पदन्त एवं भगवान शीतलनाथ के विशेष अभिषेक एवं शांतिधारा करके पूजा अर्चना की। इस दौरान हेमचंद संधी विमल जौंला पुनित संधी नवरत्न टोंग्या अंशुल जगतपुरा एवं कमलेश झिलाय सहित कई श्रद्धालुओं ने श्री जी की वेदी पर निर्वाण लड्डू चढ़ाया। इसी तरह बडा.जैन मंदिर नसियां मंदिर अग्रवाल जैन मंदिर सहित सभी जिनालयों मे भगवान का निर्वाण महोत्सव मनाया।

कविता

अहं के रावण...

विजय पर्व हम आज मनाएं,
विजय पर्व सब साथ मनाएं.
काम, क्रोध पर विजय करें हम,
लोभ, मोह पर विजय करें हम,
विजय करें कुत्सित चिंतन पर,
ईर्षा, भय, हिंसा, कृतयों पर,
मन में साहस, संयम लाएं.
विजय पर्व हम आज मनाएं..

परोपकार, अनुराग, सलिल हो,
सेवा, करुणा, शीतल मन हो,
सहयोगी हों प्राणी मात्र को,
इस धरती को स्वर्ग बनाएं.
नैतिकता के राम, लखन हों,
ममता, नेह की सीता माता,
सेवा के हनुमान सखे संग,
अहं के रावण शमन कराएं.
विजय पर्व हम आज मनाएं.
विजय पर्व सब साथ मनाएं.

इंजिनियर अरुण कुमार जैन
अमृता हॉस्पिटल फरीदाबाद
मोबाइल 7999469175

दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप फैडरेशन राजस्थान रीजन, जयपुर के तत्वावधान में
दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप सन्मति एवं
आदिनाथ मित्र मंडल, जयपुर के द्वारा
नि:शुल्क
चिकित्सा एवं नैत्र जांच शिविर
रविवार, 29 अक्टूबर 2023
समय: प्रात: 10 बजे से 2 बजे तक
स्थान: राजस्थान अस्पताल प्रांगण, जे.एल.एन. मार्ग, जयपुर
शिविर में निम्न रोगों के विशेषज्ञ डॉक्टरों की सेवाएं नि:शुल्क उपलब्ध रहेंगी...
हृदय रोग विशेषज्ञ डॉ. कैलाश चन्द्रा
ई.एन.टी. विशेषज्ञ डॉ. पंकज सिंह
हड्डी रोग विशेषज्ञ डॉ. जितेश जैन
डायबिटीज विशेषज्ञ डॉ. प्रियाश्री कटेवा
स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ. शिल्पा जेठवानी
नैत्र रोग विशेषज्ञ डॉ. निकिता जैन
कैंसर रोग विशेषज्ञ डॉ. सरजीत सैनी
शिविर में उपलब्ध नि:शुल्क जांचें
नोट:- 1. जांच करवाने हेतु खाली पेट आना उचित रहेगा।
2. रोगी अपने ईलाज संबंधित पूर्व रिपोर्ट व डॉक्टर की पर्ची साथ लेकर आवें।
बीएमडी | लिपिड प्रोफाइल
फाइब्रो स्कैन | शुगर | ई.सी.जी.
मैमोग्राफी | ओपथाल स्क्रीनिंग | पेप स्मीयर
मुख्य अतिथि
श्रीमान उत्तम जी पांड्या
मुनिभक्त, प्रमुख समाजसेवी
दीप प्रज्ज्वलनकर्ता
श्रीमान महेश जी काला
राष्ट्रीय मंत्री, भा. दि. जैन तीर्थक्षेत्र कमेटी

विजयदशमी के अवसर पर महावीर इंटरनेशनल युवा द्वारा राजकीय चिकित्सालय में बेबी किट वितरण किया

कुचामन सिटी. शाबाश इंडिया। महावीर इंटरनेशनल युवा द्वारा विजय दशमी के उपलक्ष में राजकीय चिकित्सालय कुचामन सिटी में संस्था द्वारा राष्ट्रीय स्तर पर चलाए जा रहे बेबी किट वितरण प्रोजेक्ट के तहत नवजात बच्चों को बेबी किट वितरित किए गए। संस्था के सदस्य शुभम काला ने बताया की इस अवसर पर शहर के प्रसिद्ध मनोरोग विशेषज्ञ सुरेंद्र जिलोया के साथ नर्स जॉली मैडम, नेहपाल सिंह डाभड़ा, नरेश जैन, सचिव अजीत पहाड़िया, संस्था अध्यक्ष आनन्द सेठी, राहुल झांझरी, युवा सचिव विकास पाटनी, नीतू पाटनी, नेहा पहाड़िया, आशा सेठी, उपस्थित रहे। डॉक्टर सुरेंद्र सिंह ने संस्था के सेवा कार्यों की भरी भूरी प्रशंसा करी एवम आगामी समय में प्रति माह एक दिन का कैंप संस्था के तत्वाधान में लगाने की हामी भरी।

श्री सिद्धचक्र महा मंडल विधान का आयोजन

राज पाटनी. शाबाश इंडिया

लाडनूं। लाडनूं में भव्य एवं विशाल स्तर पर श्री सिद्धचक्र महा मंडल विधान का आयोजन किया जा रहा है। 24 से 30 अक्टूबर को होने जा रहे इस विधान के लिए आयोजन स्थल श्री सुखदेव आश्रम को मनमोहक व भव्य रूप से रोशनियों से सजाया गया है। विधान के आयोजनकर्ता लाडनूं के गुवाहाटी प्रवासी नेमीचंद नथमल पांड्या परिवार के सदस्य अशोक पांड्या ने बताया कि घटयात्रा दैनिक पूजन अभिषेक मंगल आरती सहित यह विधान प्रतिष्ठाचार्य पंडित कुमुद सोनी अजमेर के सान्निध्य में आयोजित होने जा रहा है । जबलपुर की संगीतकार श्रीमती प्रीति जैन एंड पार्टी तथा जैन समाज के स्थानीय कलाकारों की प्रस्तुतियों के साथ विभिन्न धार्मिक सांस्कृतिक गतिविधियां आयोजित की जा रही है। उन्होंने बताया कि विधान में दिगंबर जैन समाज के स्थानीय सदस्यों के अलावा देशभर के अन्य स्थानों से उनके परिजन, रिश्तेदार व परिचित बड़ी संख्या में भाग ले रहे हैं ।

आपके विचार

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक राकेश जैन गोदिका द्वारा प्रकाशित दैनिक-ईपेपर 'शाबाश इंडिया' आम पाठक और समाज में जागरूकता फैलाने में सेतू का काम कर रहा है। आप अपने क्षेत्र के समाचार, आलेख, विचार आदि ई-मेल कर सकते हैं या निम्न नंबरों पर वाट्सअप कर सकते हैं।

सम्पादकः राकेश जैन गोदिका
@ 94140 78380, 92140 78380

दैनिक ई-पेपर
शाबाश इंडिया
shabaasindia@gmail.com
weeklyshabaas@gmail.com

जेएसजी प्लेटिनम का भक्ति रास व तपस्वी सम्मान समारोह

उदयपुर. शाबाश इंडिया

जैन सोश्यल ग्रुप प्लेटिनम के संस्थापक अध्यक्ष जितेन्द्र हरकावत ने बताया कि ग्रुप का दो दिवसीय भक्ति रास एवं तपस्वी सम्मान समारोह कार्यक्रम 21 व 22 अक्टूबर को हिमालय ग्रीन्स गार्डन एंड रिसॉर्ट पर रखा गया। कार्यक्रम में प्रतिदिन 200 से अधिक ग्रुप सदस्यों ने पारंपरिक गरबा वेशभूषा में माँ की भक्ति आराधना के साथ पारिवारिक माहौल में भक्ति रास का पूरे जोश वह उत्साह के साथ भरपूर आनंद लिया। कार्यक्रम में पर्युषण पर्व के दौरान ग्रुप के 9 सदस्यों द्वारा तप आराधना की गई उनका ग्रुप द्वारा बहुमान किया गया। ग्रुप अध्यक्ष विपिन जैन ने बताया की कार्यक्रम में दोनो दिन सूर्यास्त पूर्व भोजन के बाद रात्रि 7:30 बजे दीप प्रज्वलन एवम आरती कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम में तपस्वियों में हेमंत सिसोदिया, टीना सिसोदिया, मनीष तलेसरा, सुनीता जैन को 3 उपवास, सोनल कोठारी, ध्रुविका जैन को 5 उपवास, मनीष जैन, हिरल वाणावत को 10 उपवास, मनीष जैन के माताश्री श्रीमति नयना जैन द्वारा 16 उपवास की तप आराधना के उपलक्ष्य में तपस्वियों को सम्मान पत्र, उपरणा, माला एवम श्रीफल भेंट कर बहुमान किया गया तथा साथ ही ग्रुप में 3 नए दंपति सदस्यों के जुड़ने पर उनका ग्रुप पिन व उपरणा ओढ़ाकर स्वागत अभिनंदन किया गया। ग्रुप सचिव सुमित खाब्या ने बताया कि दोनों दिन पुरस्कारों में विभिन्न कैटिगरीज में बच्चो में 0 से 5 वर्ष, 6 से 10 वर्ष व 11 से 20 वर्ष तक, महिला वर्ग, पुरुष वर्ग एवं कपल कैटेगरी में पुरस्कार वितरण किए गए। जिसमे दोनों दिन के निर्णायक के रूप में ग्रुप के सदस्य मनोज शाह एवं तारा शाह, कपिल जैन एवं पुनीत जैन द्वारा भूमिका अदा की गई । निर्णायक ने बताया कि बच्चो में रिद्धि, तीर्थ, एकांश, ध्रुविका, विभांशि, हित, सार्थक को महिला कैटेगरी में ममता जैन, मीनाक्षी जैन पुरुष कैटेगरी में राकेश सिंघवी, गौरव शाह व कपल कैटेगरी में मनीष व कल्पा जैन तथा नितिन व सोनल कोठारी विजेता रहे। दोनो दिन लक्की ड्रा द्वारा निमित समय पर आने वाले ग्रुप दंपति सदस्य को भी पुरस्कृत किया गया। कार्यक्रम में संथापक अध्यक्ष जितेन्द्र हरकावत, अध्यक्ष विपिन जैन निवर्तमान अध्यक्ष आशीष रलावत, पूर्व अध्यक्ष प्रितेश जैन, मुकेश चपलोत, उपाध्यक्ष तनुजय किकावत, सचिव सुमित खाब्या, सह सचिव लोकेश जैन, कोषाध्यक्ष पंकज जैन, पीआरओ एडमिन हेमेंद्र जैन, पीआरओ ग्रीटिंग्स हेमन्त सिसोदिया, कार्यकारिणी सदस्यों सहित सभी सम्मानीय सदस्यों की उपस्थिति रही। कार्यक्रम का संचालन प्रितेश जैन द्वारा व आभार सुमित खाब्या द्वारा दिया गया।

क्या हमें पेशाब करके आने के बाद तुरंत पानी पीना चाहिए?

आज मेरी आयु 53 वर्ष की हो चुकी है मुझे बाइस या तैइस वर्ष की आयु मे मात्र चार घंटे के सानिध्य मे एक बहुत ही पहुंचे हुए आयुवेर्दाचार्य के साथ समय बिताने का मौका मिला। उनसे शारिरिक स्वास्थ्य के बारे मे बहुत ज्ञान प्राप्त हुआ कुछ उल्लेखनीय ज्ञान की बातें पाठकों से सांझा करना चाहूँगा। मूत्र त्याग करने के तुरंत बाद पानी नहीं पीना चाहिए क्योंकि मूत्र थैली के खाली होने के बाद कुछ अवयव उसमें अंदर ही अंदर निकलते हैं जो तुरंत पानी पीने के बाद थैली मे पानी के साथ नहीं घुल पाते और कालांतर मे वे ही अवयव मूत्रदानी की पथरी का कारण बनते हैं। जहाँ तक प्रयास हो प्रातःकाल मे उठने के तुरंत बाद बिना कुल्ला करे यथासंभव पानी पीयें। यदि आपको पेशाब का जोर भी पड रहा हो तो पानी पीने के बाद ही मूत्रत्याग करें। मूत्रत्याग करते समय बिल्कुल भी जोर ना लगायें। ऐसा ही आप मलत्याग करते समय ध्यान में रखे याद रहे कि मलत्याग करने की जल्दबाजी कालान्तर मे कई रोगों का कारण बनेगी। सदैव यह प्रयास करें कि मलत्याग के बाद ही शारीरिक स्नान किया जाए। ऐसा करना पेट के लिए ठीक होता है। पूरी कोशिश होनी चाहिए कि स्नान करके ही भोजन ग्रहण करें। भोजन करके नहाना भी पेट की बीमारियों को आमंत्रण देना है। टिप्पणी मे पूछे गये एक प्रश्न का निराकरण भी उत्तर को फिर से सम्पादित कर के करता हूँ ,खाने के साथ पानी ना पीने की बात कहाँ तक तर्कसंगत है। उसके लिए मेरा क्या सभी आयुर्वेद से जुडे महानुभावों का मानना है कि नहीं पीना चाहिए क्योंकि भोजन के साथ पानी पीने से भोजन को पचने मे समय लगता है फिर भी यदि किसी को भोजन के साथ पानी पीने की आदत है तो उसे धीरे धीरे छोडते जाएँ ,कई बार भोजन करते समय अत्याधिक मिर्च लगे या भोजन मे कई बारी चावल हों वो गले मे फंस जाएँ तो पानी पीना आवश्यक हो जाता है। वैसे पेशाब के ऊपर कई कहावतें भी बनी हैं जो मुझे ध्यान आ रही है लिख रहा हूँ यदि आपने भी कोई सुनी हो तो कमेंट मे अवश्य लिखना, मारवाड़ी की एक कहावत है कि हिसाब और पेशाब को कभी रोकना नहीं चाहिए। या हिसाब और पेशाब हमेशा साफ होना चाहिये। यानि किसी भी व्यक्ति के साथ हिसाब का लेनदेन बिल्कुल स्पष्ट होना चाहिए दो व्यक्तियों के बीच आपसी लेनदेन के हिसाब मे कोई भ्रम नहीं होना चाहिए इससे व्यापारिक सांझ लम्बे समय तक चलती है और पेशाब को केवल इस कारण रोकना कि आप बहुत व्यस्त हैं कोई समझदारी वाला काम नहीं है। यदि पेशाब साफ नहीं है तो अवश्य शरीर में कोई कमी या बीमारी भी हो सकती है।

डॉ पीयूष त्रिवेदी
आयुर्वेदाचार्य
चिकित्साधिकारी राजकीय आयुर्वेद चिकित्सालय राजस्थान विधानसभा,जयपुर। 9828011871

मारवाड़ी की एक कहावत है कि हिसाब और पेशाब को कभी रोकना नहीं चाहिए। या हिसाब और पेशाब हमेशा साफ होना चाहिये।

श्री 1008 भगवान शांतिनाथ जी की विशाल प्रतिमा का पंचामृत अभिषेक किया

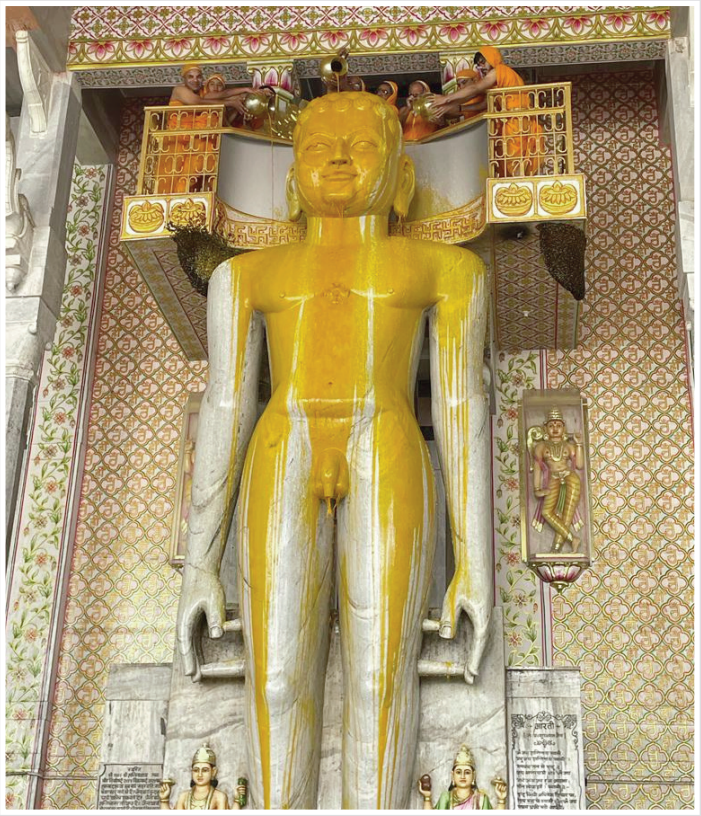

चंद्रेश कुमार जैन. शाबाश इंडिया

श्री महावीर जी। स्थानीय श्री दिगंबर शांतिनाथ जैन मंदिर में श्री 1008 भगवान शांतिनाथ जी की विशाल प्रतिमा का पंचामृत अभिषेक किया गया। मंदिर प्रबंधक संजय भंडारी ने बताया कि आज दशहरा पर्व के उपलक्ष्य में प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी जिनेंद्र देव श्री 1008 भगवान शांतिनाथ जी की विशाल 26 फुट खड्गासन प्रतिमा का बृहद् पंचामृत अभिषेक किया गया एवं महामस्तकाभिषेक में पुण्यार्जक रहकर धर्म लाभ लिया। इस अवसर पर जल कलश अरुण जैन आयशा जैन सपरिवार दिल्ली ने लिया, इच्छूरस की बोली अरुण, कल्पना बाकलीवाल निवासी गुड़गांव, दूध कलश राजकुमार रचित कोठियारी जयपुर निवासी ने लिया, दही कलश पदमचंद जैन अशोक नगर निवासी, हरिद्रा कलश विकास जैन, राकेश जैन, वेदांत जैन कोटा जयपुर निवासी, सर्वोषधि कलश लालचंद राज जैन सपरिवार दिल्ली निवासी, चतुर्थकोण कलश प्रवीण जैन सपरिवार इंदौर, शांति धारा कलश संजय जैन संभव जैन वैभव पंड्या दुगार्पुरा जयपुर निवासी, आयुषी जैन, अग्रज जैन, निर्मल जैन, निशा जैन अजमेर निवासी ने लिया। ट्रस्ट कमेटी योगेश टोडरका, प्रदीप ठोलिया, संजय पांडया, प्रबंधक संजय भंडारी ने सभी महानुभावों का तिलक लगाकर माला माला पहनकर स्वागत किया। इस अवसर पर कार्यक्रम में श्री दिगंबर जैन सोशल ग्रुप के अध्यक्ष चंद्रेश कुमार जैन, कोषाध्यक्ष संजय जैन, उपाध्यक्ष राजकुमार पांडया, संरक्षक महेश कासलीवाल, चक्रेश जैन, संजय जैन, रजनी संजय जैन, पं अरविंद जैन, सुरेंद्र जैन एवं सैकड़ो की संख्या में बाहर से आए धर्मावलंबियों ने भगवान शांतिनाथ की जयकारे लगाए एवं धर्म लाभ लिया।

राजस्थान जैन युवा महासभा के कार्यालय भवन का उदघाटन आज बुधवार को 25अक्टूबर को

आचार्य सौरभ सागर महाराज का होगा सानिध्य

जयपुर. शाबाश इंडिया

150 से अधिक दिगम्बर जैन महिला एवं युवा संगठनों की प्रदेश स्तरीय पंजीकृत प्रतिनिधि संस्था राजस्थान जैन युवा महासभा के सहकार मार्ग स्थि कार्यालय का उदघाटन बुधवार 25 अक्टूबर को होगा। प्रदेश अध्यक्ष प्रदीप जैन एवं महामंत्री विनोद जैन कोटखावदा के मुताबिक आचार्य सौरभ सागर महाराज के सानिध्य में होने वाले एक सादा समारोह में समाजश्रेष्ठी कैलाश चन्द माणक चन्द रमेश ठोलिया परिवार दीप प्रज्जवलन करेंगे। इससे पूर्व बुधवार 25 अक्टूबर को आचार्य श्री प्रातः 8.00 बजे भट्टारक जी की नसियां से मंगल विहार कर राजस्थान विधानसभा के बाहर पहुंचेगे। जहां राजस्थान जैन युवा महासभा परिवार एवं ज्योतिनगर जैन समाज की ओर से भव्य अगवानी की जायेगी। विधानसभा अवलोकन के बाद विशाल जुलूस के साथ आचार्य श्री सहकार मार्ग स्थित राजस्थान जैन युवा महासभा जयपुर के कार्यालय में मंगल प्रवेश करेंगे। इस मौके पर राजस्थान जैन युवा महासभा के पदाधिकारियों द्वारा आचार्य श्री के पाद पक्षालन एवं मंगल आरती की जाएगी। तत्पश्चात युवा महासभा के नये कार्यालय का विधिवत रूप से फीता खोलकर उदघाटन किया जाएगा। तत्पश्चात आचार्य श्री ज्योतिनगर के दिगंबर जैन मंदिर पहुंचेगे जहां मंदिर दर्शन के बाद धर्म सभा में मंगल प्रवचन होंगे।

विशेष मति माताजी के दीक्षा दिवस पर भक्तामर विधान व गुरु पूजा

जयपुर. शाबाश इंडिया

जनकपुरी ज्योतिनगर जैन मंदिर में बालयोगिनी आर्यिका विशेष मति माताजी के दीक्षा दिवस के उपलक्ष में चल रहे दस दिवसीय कार्यक्रम का आज मुख्य कार्यक्रम आयोजित हुआ। प्रबन्ध समिति अध्यक्ष पदम जैन बिलाला ने बताया कि मंगलवार को आर्यिका श्री का सोलहवाँ दीक्षा दिवस मनाया गया जिसमे साज बाज के साथ 16 मंडलीय भक्तामर मण्डल विधान के साथ गुरु पूजन आदि विधानाचार्य प. प्रमोद पदमपुरा तथा संगीतकार दुर्गेश नैनवा के सानिध्य में भक्ति के कई कार्यक्रम आयोजित हुए ।कार्यक्रम में माताजी की सोलह वर्ष पूर्व कोटा में हुई दीक्षा के साक्षी , विशुद्ध मति माताजी के स्थानीय भक्त तथा बूँदी नैनवा मालपुरा जोबनेर मिठड़ी सहित कई जगह से भक्त पधारे ।इससे पूर्व भगवान आदिनाथ की प्रतिमा को सौधर्म इंद्र कैलाश अनीता बिंदायक्या द्वारा पाण्डुकशिला पर विराजमान कर अभिषेक शान्तिधारा की गई तथा चित्र अनावरण व दीप प्रज्वलन राजस्थान जैन सभा के सुभाष जैन पांड्या ,वीर सेवक मण्डल के महेश काला, जैन बैंकर्स के भाग चंद, संस्कृत कॉलेज के महेश चांदवाड़, महासभा के कमल बाबू जैन, जैन गजट् के महावीर जैन युवा सभा के प्रदीप जैन , नरेंद्र जैन निखार वाले, प्रभात भैया, सुरेश भोंच ,सुरेंद्र काला दुगार्पुरा द्वारा किया गया। दीक्षा दिवस पर शास्त्र भेंट व पादप्रक्षालन का सौभाग्य नरेश महिमा सेठी को तथा वस्त्र भेंट का सोभाग्य राज कुमार सुनीता जैन चौथ का बरवाडा को मिला । सोलह वर्ष पूर्व कोटा में हुई दीक्षा के साक्षी मनीष बैद ने उस समय प्रकाशित पुस्तिका दिखाते हुए उस समय के दृश्यों को शब्दों के माध्यम से चित्रित किया। आज के ही दिन गौरव मति माताजी का दीक्षा दिवस भी उनको याद करते हुए अर्घ्य समर्पित कर मनाया गया। आर्यिका श्री ने आज के दिन को गुरु आशीर्वाद व संयम दिवस बताया व सभी को आशीर्वाद दिया। अंत में प्रबंध समिति के अध्यक्ष ने समाज महिला मण्डल युवा मंच बाहर से पधारे भक्त जनों का आभार व्यक्त किया।

भारतीय जैन मिलन द्वारा विशाल डांडिया महोत्सव का आयोजन

जयपुर. शाबाश इंडिया। रोटरी क्लब जयपुर नॉर्थ, नेमिनाथ युवक मंडल एवं भारतीय जैन मिलन द्वारा विशाल डांडिया महोत्सव का आयोजन ऋषिकुल विजय स्कूल मालवीय नगर में किया गया। रोटरी क्लब जयपुर नॉर्थ के सचिव एवं कार्यक्रम के मुख्य प्रायोजक नवकार किचन के एमडी श्री अनिल जैन ने बताया कि इस विशाल डांडिया महोत्सव में 2000 से भी अधिक लोगों ने हिस्सा लिया। महोत्सव में एंकर अमित खंडेलवाल ने अंत तक लोगों को बांधे रखा। महोत्सव की मुख्य अतिथि मालवीय नगर विधानसभा क्षेत्र से कांग्रेस प्रत्याशी डॉ. अर्चना शर्मा रही। महोत्सव में आए लोगों ने डांडिया के पश्चात खाने-पीने की स्टाल्स का भी लुत्फ उठाया। डांडिया आयोजन में बेस्ट मेल, बेस्ट फीमेल, बेस्ट कपल डांस, लकी ड्रा सहित अनेक उपहार आगंतुक सदस्यों को दिए गए। कार्यक्रम के सफल आयोजन में दिनेश पाटनी सहित रोटरी क्लब जयपुर नॉर्थ के सदस्य पियूष सोनी जैन, विनोद जैन कोटखावदा, महेश मंगल, अंकित खंडेलवाल, विनायक शर्मा, डॉक्टर अमित शर्मा, श्री राजेंद्र गुप्ता, श्रीमती ज्योति भारद्वाज, हार्दिक जैन सहित अनेक सदस्यों का सक्रिय सहयोग रहा।

भक्तामर के 8 काव्य एवं लघु नाटिका

दशलक्षण पर्व पर आयोजित कार्यक्रमों के लिए हुआ सम्मान दिनांक 22-09-23,दिगम्बर जैन महासमिति मालवीय नगर संभाग द्वारा आयोजित भक्तामर के 8 काव्य एवं लघु नाटिका -सास बहू की कहानी को दिगम्बर जैन महासमिति, राजस्थान अंचल ने मीरा मार्ग,मानसरोवर संत भवन के भव्य समारोह में सर्वश्रेष्ठ पुरुष्कार से सम्मानित किया।इस अवसर पर दिगम्बर जैन महासमिति,मालवीय नगर संभाग के अध्यक्ष अजीत -शकुन बड़जात्या,मंत्री विजय कासलीवाल, संयुक्त मंत्री विनोद जैन,धार्मिक मंत्री रंजना बोहरा,कार्यकारिणी सदस्य नरेंद्र कुमार जैन, महावीर-प्रेम सेठी, A ब्लॉक इकाई अध्यक्ष उर्मिला जैन,प्रतिभागी संगीता लुहाड़िया, प्रचार प्रसार मंत्री राजस्थान अंचल अनिल कुमार जैन के अलावा परामर्शक सुरेन्द्र डिग्गीवाल ,उपाध्यक्ष रामपाल जैन,B ब्लॉक इकाई अध्यक्ष रविन्द्र बिलाला,प्रदीप-रेखाकासलीवाल, संजय-प्रियंका बिलाला, सिद्धार्थनगर इकाई के अध्यक्ष महावीर जैन,2 सेक्टर इकाई अध्यक्ष सुज्योति प्रकाश जैन आदि उपस्थित थे।

बंधन ग्रुप की दो दिवसीय करवाचौथ व दिपावाली लाइफस्टाइल सेल 28 व 29 अक्टूबर आयोजित होगी

इस प्रदर्शनी में गृह सज्जा का सामान जेसे चादर, परदे डेकोरेशन का सामान रंगोली, दीपक और घर के साज सजा और कपड़े आदि की स्टाल लगाईं जाएगी

जयपुर. शाबाश इंडिया

जयपुर बंधन ग्रुप की ओर से नारायण सिंह सर्किल स्थित भट्टारक जी की नाशिया में 28 - 29 अक्टूबर को दो दिवसीय दिपावाली व लाइफस्टाइल प्रदर्शनी का आयोजन किया जा रहा है। ये जानकारी देते हुए बंधन ग्रुप की कोडीनेटस ने बताया कि गत बार तीन स्थानो पर ग्रुप की प्रदर्शनी आपार सफलता को देखते हुये इस बार करवाचोथ और दीपावाली की ये सेल नसिया जी के बड़े डोम में लगायी जाएगी इस सेल का उद्देश्य महिला गृह उद्यमियों को बढ़ावा देना और एक मंच प्रदान करना है। इस प्रदर्शनी में गृह सज्जा का सामान जेसे चादर, परदे डेकोरेशन का सामान रंगोली, दीपक और घर के साज सजा और कपड़े आदि की स्टाल लगाईं जाएगी और हर 2 घंटे में लकी ड्रा निकला जायेगा। प्रदर्शिनी का समय शनिवार और रविवार सुबह 11बजे से रात्रि 9 बजे तक रहेगा।